



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 387]  
No. 387]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 3, 1995/आषाढ़ 12, 1917  
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 3, 1995/ASADHA 12, 1917

नागरिक पूति, उपभोक्ता मामले और

सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(नागरिक पूति विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1995

का.आ. 604(अ).—केन्द्र सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन रोहतक कृष्णा ट्रेडिंग कम्पनी लि., रोहतक द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा,

एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त कम्पनी को गुड़ में अग्रिम संविदाओं के बारे में 5 जुलाई, 1996 को समाप्त एक और वर्ष की अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त कम्पनी ऐसे निर्देशों का पालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मि. सं. 12(20)/आई टी/93]

सुजीत बनर्जी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS

AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Dept. of Civil Supplies)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd July, 1995

**S.O. 604(E).**—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition, made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Rohtak Krishna Trading Co. Ltd., Rohtak and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in public interest so to do, hereby grants in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Company for a further period of one year ending 5th July, 1996 in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may, from time to time to be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(20)/IT/93]

SUJIT BANERJEE, Joint Secy.